[श्री टी० अंजैया]

होने की वजह से जब फाइल मेरे पास आई तो उसमें मैंने सोचा कि इसके अन्दर गड़बड़ है, तो मैंने साइन ही नहीं किया मगर इसकी जांच-पड़ताल पूरी होगी। जो भी अफसर इसमें इन्वाल्व होंगे, उनके ऊपर एक्शन लिया जायगा । कुछ लोग तो रिटायर हो गये हैं । रिटायर होने के बाद उनके ऊपर क्या एक्शन होना चाहिए, यह भी हम सोचेंगे । यह नहीं कि ऐसे आदमी जिन्होंने मनमानी किया है, इसके अन्दर कौन-कौन इन्वाल्व्ड हैं, कैसे हुआ, किस तरीके से हुआ वह भी मालूम करेंगे । जहां तक दूसरे प्रोपोजल हैं कि इसकी कुछ कमेटी एम्पलायमैंट एक्सचेंज पूरे उत्तर प्रदेश के लिये . . .

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए ।

श्री टी० अंजैया . पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए, उस सीजन के लिए जो बनाने के लिए उन्होंने कहा है, हम हर प्रोपजल को जो अच्छा हो सकता है उस रीजन के लिए, वह सोच सकते हैं । उसकी रिपोर्ट आते ही मैं आप लोगों से फिर डिसकस करूंगा । जैसा आप कहेंगे, मैंने पहले ही कहा कि पायलट स्कीम के लिए जो स्कीम बन सकता है उस प्रान्त के लिए, वह हम करने के लिए तैयार हैं ।

REFERENCE TO THE REPORTED LATHI CHARGE BY POLICE ON LOK DAL WORKERS IN MEERUT ON THE 28TH JULY, 1980

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, ऐसा लगता है कि जब से माननीय जैल सिंह गृह मंत्री बन कर आए कोई दिन ऐसा नहीं आएगा जिस दिन जनता के ऊपर लाठी चार्ज और गोली चार्ज नहीं होगा क्योंकि माननीय जैल सिंह जी को तो जुडिशल इंडिक्टमेंट हो चुका है, उन के ऊपर साबित हो चुका है कि वे अपने शासन काल में पार्शलिटी बरते हैं, निपोटिज्म किए हैं फेवरिटिज्म किए हैं । ऐसे व्यक्ति से हम आशा ही और नहीं कर सकते हैं । एक अच्छे सेन आदमी को उन्होंने पागल बना कर जेल में बंद कर दिया । ऐसे व्यक्ति से हम क्या आशा कर सकते हैं जो देश का गृह मंत्री है ? स्वाभाविक है कि देश के कोने-कोने में रोजाना गोली चले और लाठी-चार्ज हो । इस समय आप देख रहे हैं कर्नाटक में क्या हो रहा है ? रोजाना गोली चलायी जा रही है । गोली से कम कोई बात नहीं हो रही है । किसान, मजदूर, विद्यार्थी सब पर गोली चल रही है ।

श्रीमन्, यह विशेष घटना है मेरठ की । मेरठ में लोक दल के कार्यकर्ता शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे और पुलिस ने इतनी बर्बरता के साथ ।

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश) : कोई मंत्री यहां नहीं है ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही: पुलिस ने इतनी बर्बरता के साथ उन पर लाठी चार्ज किया कि सैकड़ों कार्यकर्ता घायल हो गए । श्रीमन्, आप इसको इस कांटेक्स्ट में देखें कि आखिर हो क्या रहा है ? जहां कोई नाम लेता है बागपत कांड का, जहां कोई नाम लेता है माया त्यागी का, उसके ऊपर पुलिस का डंडा, पुलिस की गोली शुरु हो जाती हैं । श्रीमन्, मैं सरकार से कहना चाहता हूं, उसी बागपत के पास द्रोपदी का चीर-हरण हुआ था, उसी बागपत के पास भगवान श्री कृष्ण ने उस महिला की लज्जा बचा ली थी । तब भी केवल प्रयास हुआ था चीर हरण का, कौरवों का राज्य चला गया और उसी स्थान पर, बागपत में, इस महिला का चीर-हरण हुआ है । . . .

(*Interruptions*)

श्री रामेश्वर सिंह : उस समय तो चीर हरण हुआ भी नहीं था ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : मंत्री जी, अब कोई ताकत नहीं है जो इस सरकार को बचा सके । आज की द्रौपदी का जो चीर-हरण हुआ है, कोई ताकत नहीं है जो इस सरकार को बचा सके । जैल सिंह जी यह क्या करा रहे हैं ? चारों तरफ लाठी और गोली का व्यवहार है । श्रीमन्, एक दिन भी आप ऐसा नहीं पाएंगे जब कि सारे अखबारों का रंफट पेज लाठी और गोली की वर्षा के समाचार से भरा न हो । आखिर यह कब तक चलेगा ? इसलिए मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि इस को अपने प्रधान मंत्री जी तक पहुंचाएं, कि उसी स्थान पर द्रौपदी का चीर-हरण हुआ था, बागपत के पास ही और वहां पर यह घटना हुई है । अब आप सोच लें क्या होने वाला है ? इसलिए इस तरह की घटना को शीघ्रातिशीघ्र बन्द करने का प्रयास करें।

श्री रामेश्वर सिंह : श्रीमन्, अभी आपका ध्यान मैं एक ऐसी घटना की तरफ दिलाना चाहता हूं । . . .

SHRI NARASINGHA PRASAD NANDA (Orissa): Mr. Vice-Chair-man, Sir, should you not direct the Treasury Benchi $_s$ to take the proceedings Of the Horse a little more seriously? What do you notice? At least there should be a direction from the Chair that h$_e$ Treasury Benches should take the proceedings a little more seriously.

THE VICE-C [AIRMAN (SHRI R. 8. MORARKA): The Treasury Benches are represented by the hon. Minister in the House. How seriously they take or do not take, it j$_s$ not for the Chair to lot *k* into.

DR. BHAI MAHAVIR (Madhya Pradesh): I wuld submit that this is not fair that h$_e$ Chair should say that it is not his concern how seriously the proceedings of the House are taken.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R, MORARKA): How seriously they take it.

DR. BHAI MAHAVIR: I would submit with due respect that it is prime concern of the Chair to see that the proceedings of the House are given due consideration and are properly attended to.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA): Air right.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA): Rameshwar Singhji, I am told you are permitted to make a Special Mention only about the lathi charge in Meerut.

श्री रामेश्वर सिंह : पटना बहुत नजदीक है । वह समझ गये हैं कि क्या होने वाला है इस देश में । जो रोज घटनाएं घट रही हैं उन की तरफ मैं आप के माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं । आए दिन पुलिस लाठी चार्ज कर रही है । बागपत में जिस गौड़ इनचार्ज ने माया त्यागी के साथ दुर्व्यवहार किया था, जिस से सारा राष्ट्र चिन्तित है और सारा राष्ट्र ही नहीं चिन्तित है बल्कि दुनिया में इस बात की चर्चा हो रही है कि भारत वर्ष कहां जा रहा है, श्रीमन्, कल की घटना है— मैं आप को पढ़ कर सुना देना चाहता हूं— यह जो गौड़ दरोगा है, यह क्या कर रहा है, कैसी भाषा का इस्तेमाल कर रहा है । अगर इस को एक एक कर के आप देखेंगे तो मालूम होगा कि कोई शंहशाह बोल रहा है । वह कहां से बोल रहा है । आप, श्रीमन्, देखें, यह मैं पढ कर सुना दे रहा हूं एक दो लाइन— 'माया त्यागी ने आप पर बलात्कार का आरोप लगाया' है । "अच्छा बताइये, आप ने माया त्यागी को देखा है ?" "नहीं, फोटो दे खी है ।" गौड़ कहता है, "उस का भद्दा चेहरा . . . "

श्री रामेश्वर सिंह : मैं उसी पर आ रहा हूं कि लाठीचार्ज आखिर क्यों हो रहा है । जब इस बात की तह में नहीं जाएंगे कि लाठीचार्ज क्यों हो रहा है तब तो फिर हम ऐसे कह दें कि लाठीचार्ज पुलिस कर रही है । आप घटना तो सुन लें कि किस वजह से लाठी चार्ज हो रहा है क्यों लाठीचार्ज हो रहा है । यह घटना, महोदय, आप नहीं सुनेंगे तो मैं केवल कह देता हूं कि लाठीचार्ज हो रहा है और बात खत्म हो जायगी । लाठीचार्ज क्यों हो रहा है, किस पर हो रहा है मैं दो, एक लाइन पढ़ कर सुना देना चाहता हूं—"फोटो देखी है ।" "उस का भद्दा चेहरा और शरीर है । क्या ऐसी औरत से कोई बलात्कार करने की इच्छा कर सकता है । मुझे तो दुख है, मैं उस दिन बागपत में नहीं था । अगर होता तो" . . . "अगर होते तो क्या करते ? 'उस कुतिया को गोली मार देता । तब कुछ बचता ही न ।" उस की प्रवृत्ति देखिए, संसद सदस्यों को क्या कहता है । "ये सारी सच्ची बातें छपवाने-बंटवाने में हजारों रुपये खर्च हो गये । सारे संसद सदस्यों को भी परचे भिजवाये हैं । पर कोई कुछ बोलता ही नहीं सब सा—हैं ।" यह एक को नहीं सबको साले कहता है, कहता है सा . . . हैं । आगे चलें, उपसभाध्यक्ष जी । अखबार कहता है 'माया अर्द्ध चेतन स्थिति में बार बार पानी मांग रही थी । इस पर देवेन्द्र गौड़ ने पास खड़े कांस्टेबिल से कहा कि 'अरे कुतिया के मुंह में पेशाब कर दे ।'

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA): Now pleas$_e$ come to the point. You have got only three minutes.

SHRI NARASINGHA PRASAD NANDA). H$_e$ is now in Baghpat. He will take some time to come to Meerut.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA): Three minutes are allowed for a Special Mention.

श्री रामेश्वर सिंह : आप हम को एक मिनट का समय दें । मैं ज्यादा समय बर्बाद नहीं करना चाहता ।

डा० भाई महावीर : वह ज्यादा समय नहीं लेंगे लेकिन मिनट जरा बड़ा हो ।

श्री रामेश्वर सिंह : हमको कह लेने दीजिए । कल देवेन्द्र गौड़ ने कोर्ट के अन्दर घुस कर अदालत के भीतर सत्याग्रह कर रहे 300 लोगों के ऊपर मेरठ में बेरहमी के साथ लाठीचार्ज किया । यही नहीं 10 आदमियों को ऐसा मारा कि वे बेहोश हो गए और उन सबों को ले जाकर बन्द कर दिया । यही नहीं जो वकील माया त्यागी की हिफाजत कर रहा था, जो उसके गांव का रहने वाला था, जिसने न केवल मुस्तैदी, चुस्ती से गवाही दी है, चुस्ती से इस मामले को उठाया उसको देवेन्द्र गौड़ मारने के लिए दौड़ता है । उसको बचाने के लिए बार एसोसिएशन का चेयरमैन दौड़ता है उसको मार कर गिरा देता है । जब कोर्ट चपरासी जाता है कहता है कि यह क्या कर रहे हो तो चपरासी को मार कर गिरा देता है और यही नहीं, जो बगल में दुकान थी उस दुकान के लोग हल्ला कर रहे थे कि यह क्या कर रहे हो तो उस दुकान को लूट लिया । यह आज के अखबार में है । तो मेरा कहना है कि बहुत विनम्रता के साथ मैं मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि आजादी की लड़ाई से लेकर 20 वर्ष तक कांग्रेस सरकार का मुकाबला हमने किया और उस के लिए जद्दोजहद की है और मैं इन्दिरा जी पर कुछ कटाक्ष नहीं करना चाहता हूं क्योंकि वह अभी बहुत दुखी हैं । मैं इन्दिरा जी को मर्माहत नहीं करना चाहता, लेकिन मैं सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं कि अगर इस तरह की हरकतें बन्द नहीं की

गयीं और अगर इन लोगों को और पुलिस इन्स्पैक्टर को मुअत्तल नहीं किया गया तो सारे राष्ट्र में और सारे देश में और उत्तर प्रदेश में सरकार को पैरेलाइज कर देंगे और सरकार के एक भी काम को हम नहीं होने देंगे ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA): Rameshwar Singhji, please conclude.

श्री रामेश्वर सिंह : जैसा कि इतिहास में हुआ है । 1942 में अंग्रेजी साम्राज्यवाद के खिलाफ हमने बगावत की थी । सारा राष्ट्र खड़ा होकर एक साथ हो गया था और हमने उस समय सारी जेलों को भर दिया था । आज भी हम इस सरकार के साथ वही व्यवहार करेंगे अगर आप ऐसे मामलों को बन्द नहीं करेंगे आज वहां माया त्यागी का चीर हरण हुआ है । द्रौपदी का चीर हरण नहीं हुआ था । उस की कमर का वस्त्र उसके साथ लगा रहा था । यहां माया त्यागी का चीर हरण हुआ है । इसलिए आप के द्वारा आखीरी बात कह कर मैं बैठना चाहूंगा कि माया त्यागी का जो चीर हरण हुआ है, जो हमारी बहिनों का अपमान हुआ है, जो उनकी बेइज्जती हुई है उसके कारण अवश्य-म्भावी है कि इस सरकार का नाश 6 महीने के अन्दर हो जाएगा और इस सरकार को हिन्दुस्तान के शासन से मिट जाना होगा ।

THE VICE-CH VIRMAN (SHRI R. R. MORARKA): The House stands adjourned to mee , again at 2.30.

The House then adjourned for lun h at forty-seven minutes F ast one of the clock.

The House rea, sembled after lunch at thirty-three *n* jiutes past two of the clock, The Vice-Chairman (Shri . Sawaisingh Sisodia) in the Chair.

PAPERS LAID ON THE TABLE— *contd.*

Notification of the Ministry of Finance (Department of Revenue) and related Papers

SHRI MAGANBHAI BAROT: Mr. Vice-Chairman, Sir, I beg to lay on the Table, under section 159 of the Customs Act, 1962, a copy (in English and Hindi) of the Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification No. l54fF[No. 347|l!78-TRU (Pt.) dated the 29th July, 1980, together with an explanatory note thereon.

[Placed in Library. *See* No. LT-1176|80].

SHRI SHIVA CHANDRA JHA (Bihar): Why was it not included in the list?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SAWAISINGH SISODIA); Discussion on the Appropriation Bill continue.

THE APPROPRIATION (NO BILL, 1980—contd.

SHRI V. B. RAJU (Andhra Pradesh) Mr. Vice-Chairman, Sir, the Finance Minister in his speech, had observed in the following manner:

"As there is a great deal of inflationary potential in the country, the prime objective of our policy will be to achieve price stability."

Mr. Vice-Chairman, Sir, the Appropriation Bill should be examined against this background and it should be seen how far the amounts that are being appropriated for various heads of account will help in stabilising the price structure. It is no use talking about many things which we may no* be able to tackle or making any promises which may not be fulfilled.